6.जिनेन्द्र वचनामृत सार –डॉ गुलाब चंद जैन ,जैन विद्या संस्थान ,श्री महावीर जी , राजस्थान

जैन विद्या डिप्लोमा पाठ्यक्रम

प्रथमपत्रम् – जैनदर्शन , ग्रन्थ - आचार्य उमास्वामि विरचित तत्वार्थसूत्रम् (संस्कृत ग्रन्थ) (सम्पूर्ण)			
इकाई	विषयः	अंक: 80+20 =100	क्रेडिट(5+1=6)
1.	अध्याय 1 - 2	16	1
2.	अध्याय 3-4	16	1
3.	अध्याय 5-6	16	1
4.	अध्याय 7-8	16	1
5.	अध्याय 9-10	16	1
6.	आंतरिकमूल्यांकन (संस्कृतसूत्रोच्चारण अभ्यास -5 अंक,संगोष्ठी-5 अंक,मौखिकपरीक्षा-5 अंक अंक,उपस्थिति-5 अंक)	20	1

सन्दर्भग्रन्थ

१. तत्त्वार्थसूत्रम्, आचार्यः उमास्वामी, सम्पादकः पं. फूलचंदशास्त्री, गणेशवर्णी – शोध संस्थान, नारिया, वाराणसी, 1991

सहायक ग्रन्थ-

1.सर्वार्थसिद्धि-आचार्य पूज्यपाद ,संपादक- पं. फूलचंदशास्त्री,भारतीय ज्ञानपीठ ,नई दिल्ली

द्वितीयपत्रम् - जैन न्याय ग्रन्थ - **न्यायमंदिर (सम्पूर्ण)**			
इकाई	विषयः	अंक: 80+20 =100	क्रेडिट(5+1=6)
1.	द्वार 1-2	16	1
2.	द्वार 3	16	1
3.	द्वार 4-5	16	1
4.	द्वार 6	16	1
5.	द्वार 7	16	1
6.	आंतरिकमूल्यांकन(संस्कृतसूत्रोच्चारण अभ्यास -5 अंक,संगोष्ठी-5 अंक,मौखिकपरीक्षा-5 अंक,उपस्थिति-5 अंक)	20	1

सन्दर्भग्रन्थ –

न्यायमंदिर –प्रो. वीरसागर जैन, जैन विद्या संस्थान, जयपुर

सहायकग्रन्थः –

1.परीक्षामुखसूत्र – आचार्य माणिक्यनंदी

2.जैन न्याय, डॉ कैलाशचन्द्र शास्त्री, प्रकाशक गणेश वर्णी शोध संस्थान वाराणसी

3.जैन न्याय की भूमिका - डॉ. दरबारी लाल कोठिया, जैन विद्या संस्थान, जयपुर

4.जैन दर्शन मनन और मीमांसा- आचार्य महाप्रज्ञ, प्रकाशक- आदर्श साहित्य संघ, चुरू (राज.)

28/3/18

5.जैनदर्शन ,डॉ. महेंद्र कुमार न्यायाचार्य, प्रकाशक गणेश वर्णी शोध संस्थान वाराणसी

28/3/12